प्रेस विज्ञप्ति

मध्य प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में स्वतन्त्र बर्न यूनिट की स्थापना

अग्नि दुर्घटना से पीड़ित मरीजों के सुचारू उपचार हेतु मध्य प्रदेश शासन द्वारा व्यापक व्यवस्थायें लागू की जा रही है। भारत में करीब 70 लाख लोग प्रति वर्ष जलने से पीड़ित होते हैं । जिनमें से लगभग 7 लाख लोगों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जाता हैं एवं 2.40 लाख लोग गंभीर जटिलतायें के कारण निष्क्रिय हो जाते हैं।

इस समस्या के तारतम्य में मध्य प्रदेश के पाँच चिकित्सा महाविद्यालयों में ''बर्न यूनिट'' की स्थापना भारत सरकार की एन.पी.पी.एम.बी.आई योजना के अंतर्गत की जा रही हैं। चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर में खोली जा रही, इन बर्न यूनिटों की स्थापना पर लगभग रू 20 करोड़ व्यय कियें जा रहे है।

प्रस्तावित बर्न यूनिट की प्रत्येक इकाई में 12 बिस्तर के वार्ड के साथ, 4 बिस्तर की आई.सी.यू एवं ओ.टी भी स्थापित होगी। इस यूनिट में अग्नि दुर्घटना से घायल मरीज़ो की देखभाल के लिये प्रशिक्षित नर्स, पेरामेडिकल वर्कर्स, सामान्य शल्य चिकित्सक के अलावा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जन उपलब्ध रहेगें। यह यूनिट ऐसे मरीजों के पुनर्वास तथा फिजियोथैरेपी जैसी सेवाएँ भी उपलब्ध करायेगी। इस यूनिट द्वारा आम जनता को अग्नि दुर्घटना से प्रभावित मरीजों की तत्काल उपचार व्यवस्था तथा ऐसी दुर्घटनाओं के रोकथाम संबंधी ज्ञान को बढ़ाने हेतु समय–समय पर प्रचार–प्रसार के कार्यक्रम भी आयोजित करायें जायेंगे।